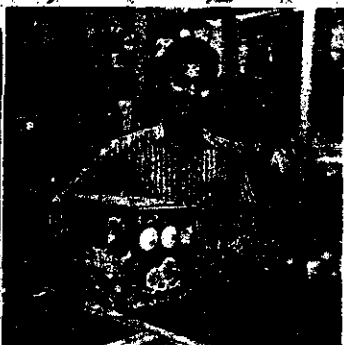
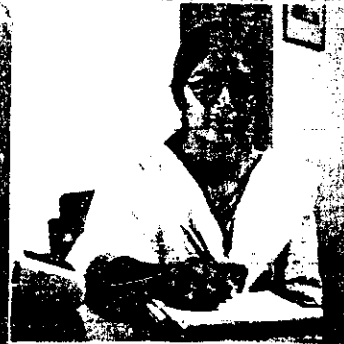


# वार्षिक निवेदन वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report

1998-99



First In Service. Best in Banking.



ఆంధ్రబ్యాంక్ ఆంధ్రా బేంక్ Andhra Bank



31 मार्च 1999 को सहायक महा प्रबंधक ASSISTANT GENERAL MANAGERS AS ON 31ST MARCH 1999

श्री के. वी. गोविन्द राव

श्री जे. शंकर राव गुप्ता

श्री एल. वीरभद्र राव

श्री एस. रघुनाथ

श्री बी. तुलसी कान्त राव

श्री सी. वी. शिव प्रसाद

श्री पीटर डग्लस वुडमैन

श्री वाई. वी. रमण मूर्ति

श्री के. चतपति राव

श्री सी. उमासुत राव

श्री मैथ्यू जोसफ

श्री मनधीर थौर

श्री पी. लक्ष्मय्या

श्री जे. पुल्लय्या

श्री वी. सुरेन्द्र रेड्डी

श्री जे. सांबशिव शास्त्री

श्री ए.वी. सूर्यनारायण राव

श्री के. विश्वनाथ राव

श्री गुरुचरण दास भल्ला

श्री के. वी. भाष्यम

श्री एस. सरसचन्द्र

श्री के. सूर्यनारायण

श्री आर. जे. बैद्यनाथन

श्री एस. सूर्यनारायण

श्री के. सूर्य प्रकाश

श्री ए. मुरलीधर

Sri K.V. Govinda Rao

Sri J. Sankara Rao Gupta

Sri L. Veerabhadra Rao

Sri S. Raghunath

Sri B. T. Kantha Rao

Sri C.V. Siva Prasad

Gp. Capt. Peter Douglas Woodman

Sri Y.V. Ramana Murthy

Sri K. Chalapathi Rao

Sri C. Umasutha Rao

Sri Mathew Joseph

Sri Mandheer Thaur

Sri P. Lakshmaiah

Sri J. Pullaiah

Sri V. Surender Reddy

Sri J. Sambasiva Sastry

Sri A.V. Suryanarayana Rao

Sri K. Vishwanath Rao

Sri Gurucharan Das Bhalla

Sri K.V. Bhashyam

Sri S. Saraschandra

Sri K. Suryanarayana

Sri R.J. Vaidyanathan

Sri S. Suryanarayana

Sri K. Surya Prakash

Sri A. Muralidhar

#### निर्वाहक वित्त प्रबंधक AUDITORS

एस. मोहन एण्ड कं.  
सनदी लेखाकार

S. Mohan & Co  
Chartered Accountants

के.सी. भट्टाचार्य एण्ड पॉल  
सनदी लेखाकार

K.C. Bhattacharjee & Paul  
Chartered Accountants

नृपेन्द्र एण्ड कं.  
सनदी लेखाकार

Nripendra & Co  
Chartered Accountants

नीत एण्ड कं.  
सनदी लेखाकार

Neeth & Co  
Chartered Accountants

बी. खोसला एण्ड कं.  
सनदी लेखाकार

B.Khosla & Co.  
Chartered Accountants

## निदेशक मंडल की रिपोर्ट 1998-99

बैंक ने देश के विकास में 75 वर्षों का सफल योगदान दिया। रु. 10,000 करोड़ से अधिक की जमा राशियों के साथ बैंक का कुल व्यवसाय रु. 15,000 करोड़ से अधिक रहा। बैंक ने जमा राशियों में 31.79%, अग्रिमों में 37.96% और कुल व्यवसाय में 33.67% की वृद्धि दर रिकार्ड की।

वर्ष 1998-99 के दौरान भारतीय अर्थ व्यवस्था में पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा सुधार हुआ है। केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) के अनुसार वर्ष 1997-98 के 5 प्रतिशत के मुकाबले वर्ष 1998-99 में सकल घरेलू उत्पाद की समग्र वृद्धि 5.80% होने की संभावना है। जीडीपी में वृद्धि का कारण मुख्यतः कृषि और तत्सम्बन्धी गतिविधियों में दिशा परिवर्तन है।

कृषि और उससे सम्बन्धित क्षेत्र ने पिछले वर्ष (1.00%) नकारात्मक वृद्धि दर के मुकाबले वर्ष 1998-99 के दौरान 5.30% वृद्धि दर दर्शाया है। वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्नों का उत्पादन पिछले वर्ष के 192.40 मिलियन टन की तुलना में 202.50 मिलियन टन तक पहुंचने की संभावना है।

वर्ष 1998-99 के प्रथम 11 महीनों के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूची (आई आई पी) पिछले वर्ष की 6.90 % की तुलना में 3.90 % विकास वृद्धि दर्शायी है।

वर्ष 1998-99 के दौरान स्थूल मुद्रा (एम 3) की वार्षिक वृद्धि बिन्दुवार 17.80 % रही जबकि वर्ष 1997-98 में यह 17.90 % थी। एम 3 की 17.80 % वृद्धि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सूचित 15.00% से 15.50 % लक्ष्य से ज्यादा है।

फरवरी 1999 में घोषित बजट में 1997-98 में कुल राजकोषीय घाटा (संशोधित प्राक्कलन) जीडीपी के 6.1% से वर्ष 1998-99 (बजट प्राक्कलन) में जीडीपी का 5.6 % तक कम कर दिया गया है।

वर्ष 1998-99 के दौरान निर्यात में अपर्याप्त वृद्धि और पूंजी प्रवाह में गिरावट आने के बावजूद कुछ प्रारक्षित निधि संचयन के साथ भुगतान संतुलन की स्थिति सुविधाजनक रही।

वर्ष 1998-99 के दौरान निर्यात यूएस डालर 33.64 बिलियन रहा जो जीडीपी का 8 % दर्ज किया गया जबकि पिछले वर्ष यह 8.10 % था। दूसरी तरफ देश के आयात यूएस डालर 41.89 बिलियन रहा जो जीडीपी का 9.9 % दर्ज किया गया जबकि पिछले वर्ष यह 9.7 % था। इसके फलस्वरूप वर्ष 1998-99 में व्यापार घाटा यूएस डालर 8.25 % बिलियन तक बढ़ गया। वर्ष 1998-99 के दौरान विदेशी मुद्रा रिजर्व की स्थिति (न्यून और एसडीआरएस सहित) यूएस डालर 32.49 बिलियन तक बढ़ गयी है।

सितम्बर 1998 के अंत तक भारत का विदेशी ऋण थोड़ा सा बढ़कर यूएस डालर 95.20 बिलियन तक पहुंच गया। जबकि मार्च 1998 के अंत तक यह ऋण यूएस डालर 93.90 बिलियन था। वर्ष 1997-98 में विदेशी ऋण का अनुपात जीडीपी 23.8% तक कम हुआ है। वर्ष 1997-98 में चालू प्रामियों के अनुपात की तुलना में कर्ज शोधन भुगतान 19.5% तक कम हुआ है।

सभी अनुसूचित बाणिज्य बैंकों की जमा राशियाँ मार्च 1998 के अन्तिम शुक्रवार को रु.605410 करोड़ से मार्च 1999 के अन्तिम शुक्रवार को रु. 717271 करोड़ तक बढ़कर 18.48% वृद्धि दर दर्ज की है।

इसी अवधि के दौरान सकल बैंक ऋण (जी.पी.सी.) रु.324079 करोड़ से रु. 366003 करोड़ तक बढ़कर 12.94% वृद्धि दर दर्ज की है। मार्च, 1999 के अन्तिम शुक्रवार को खाद्य ऋण रु.16816 करोड़ तक बढ़ गया है और खाद्यान्न ऋण रु. 349187 करोड़ तक पहुंचकर 12.06% वृद्धि दर दर्शाया है।

1. बैंक ने सब समय से अधिक रु.90.04 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है।
2. बैंक ने वर्ष के अन्त तक कुल रु.15216 करोड़ का व्यापार कर रु.15000 करोड़ का लक्ष्य का अधिगमन किया है और पिछले वर्ष की तुलना में इसकी वृद्धि 33.67% है।
3. कुल जमा राशियाँ रु.10439 करोड़ हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इन जमा राशियों में 31.79% वृद्धि हुई है।
4. निवल बैंक ऋण (एन.पी.सी.) रु.3463 करोड़ से बढ़कर रु.4777 करोड़ तक पहुंचकर पिछले वर्ष के मुकाबले 37.96% वृद्धि दर्ज किये हैं।
5. इस बार भी समायोजित निवल बैंक ऋण के मानदण्ड 40% के विरुद्ध प्राथमिकता क्षेत्र को 43.84% ऋण दिये गये हैं।
6. कृषि ऋण के लिये समायोजित निवल बैंक ऋण के लिए निर्धारित मानदण्ड 18% के विरुद्ध 18.38% ऋण दिये गये हैं।
7. बैंक का प्रति कर्मचारी औसतन व्यापार वर्ष 1997-98 के रु.67.69 लाख से रु.81.14 लाख तक बढ़ गया है।



## DIRECTORS' REPORT - 1998-99

The Bank has completed 75 years of its useful service to the Nation, with its deposits crossing the Rs. 10,000 Crore mark and the total business crossing the Rs. 15,000 Crore mark. The Bank has also recorded a growth rate of 31.79% in deposits, 37.96% in advances and 33.67% in total business.

### Economic Scenario:

The performance of the Indian Economy during the year 1998-99 has improved marginally over the previous year. According to Central Statistical Organisation (CSO) the Gross Domestic Product (GDP) is likely to grow by 5.80% in 1998-99, as against 5.00% during 1997-98. The increase in GDP is attributable mainly to a turnaround in the output of Agriculture and Allied activities.

Agriculture and Allied sectors registered a growth rate of 5.30% during 1998-99 as against a negative growth (1.00%) in the previous year. The total food grains production during the year is likely to reach the position of 202.50 Million Tonnes as compared to 192.40 Million Tonnes during the previous year.

During the first eleven months of 1998-99, the Index of Industrial Production (IIP) recorded a growth rate of 3.90% as against 6.90% in the previous year.

The annual growth in Broad Money (M3) during the year 1998-99, on a point to point basis was 17.80% as against 17.90% in 1997-98. The growth of M3 at 17.80% was higher than the indicative target of 15.00% to 15.50% announced by the Reserve Bank of India.

The Budget announced in February 1999 showed a modest reduction in the Gross Fiscal Deficit (GFD) from 6.1% of GDP in 1997-98 (Revised Estimate) to 5.6% of GDP in 1998-99 (Budget Estimate).

The Balance of Payments (BOP) situation was moderately comfortable with some reserve accumulation during 1998-99 despite inadequate growth in exports and marked deceleration of capital flows.

The Exports during the year 1998-99 were US \$ 33.64 billions constituting 8% of GDP as compared to 8.1% in the previous year. On the other hand, the imports of the country were US \$ 41.89 billions, constituting 9.9% of GDP as compared to 9.7% in the previous year. Consequently, the trade deficit widened to US \$ 8.25 billions during the year 1998-99. The total Foreign Exchange Reserves position

(including Gold and SDRs) increased to US \$ 32.49 billions during the year 1998-99.

India's external debt as at the end of September 1998 has marginally increased to US \$ 95.20 billions against US \$ 93.90 billions as at the end of March 1998. The ratio of external debt to GDP declined to 23.8% in 1997-98. The debt service payments as ratio of Current Receipts has come down to 19.5% in 1997-98.

### Performance of the Banking Industry :

The Aggregate Deposits of All Scheduled Commercial Banks which stood at Rs. 605410 crores as on the last Friday of March 1998 have increased to Rs. 717271 crores as on the last Friday of March 1999, registering a growth rate of 18.48%.

During the same period, the Gross Bank Credit (GBC) increased from Rs. 324079 crores to Rs. 366003 crores registering a growth rate of 12.94%. Food Credit increased to Rs. 16816 crores as on the last Friday of March 1999 and Non Food Credit reached the level of Rs. 349187 crores registering a growth rate of 12.06%.

### SOME PERFORMANCE HIGHLIGHTS OF THE BANK

1. The Bank has registered an all time high Net Profit of Rs. 90.04 crores.
2. The Bank crossed the milestone of Rs. 15,000 crore mark in total business by reaching Rs. 15,216 crores as at the end of the year, with a growth of 33.67% over the previous year.
3. The Total Deposits aggregated to Rs. 10,439 crores. The growth in deposits over previous year was 31.79%.
4. The advances (NBC) increased from Rs. 3,463 crores to Rs. 4,777 crores registering a growth of 37.96% over last year.
5. Yet again, the Bank continued good performance in lending to Priority Sectors with share of 43.84% of Adjusted Net Bank Credit against the norm of 40%.
6. Agricultural Advances to Adjusted Net Bank Credit stood at 18.38% against prescribed norm of 18%.
7. The per employee average business of the Bank increased to Rs. 81.14 lakhs during 1998-99 from Rs. 67.69 lakhs during 1997-98.



8. मार्च, 1999 के अन्त तक शाखा का नेटवर्क 1,000 से बढ़ कर 1006 तक पहुंच गया है।
9. बैंक के निवेश रु. 4979.68 करोड़ तक पहुंच गये हैं। अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित शर्त 70% के विरुद्ध वर्ष 1998-99 में 100% निवेश करने वाले बैंकों में से हमारा बैंक एक है।
10. नगरद्वय, हैदराबाद एवं सिकन्दराबाद, आन्ध्रप्रदेश में आनलाइन एटीएम सुविधा प्रदान करने वाले राष्ट्रीय कृत बैंकों में से यह बैंक प्रथम है।
11. विदेशी मुद्रा व्यापार में “बी” श्रेणी की 6 और शाखाओं को स्विफ्ट से जोड़ा गया है। अब ऐसी शाखाओं की संख्या 16 तक पहुंच गयी है।
12. बैंक ने भा. रि. बैंक द्वारा जारी टर्मिनल अनुपालन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार वर्ष 2000 (वाई 2 के) का अनुपालन किया है।
13. समाज के वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 75 शाखाओं में विशेषकर “वरिष्ठ नागरिक काउंटर” आरंभ किये गये हैं।

### बैंक के परिचालन:

#### कार्यकारी परिणाम:

31 मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के कार्यकारी परिणाम काफी प्रोत्साहजनक रहे। बैंक का कुल अर्जन रु. 1199.99 करोड़ रहा जबकि व्यय रु. 1109.95 करोड़ हुआ। बैंक ने रु. 156.52 करोड़ का सकल लाभ और रु. 90.04 करोड़ का निवल लाभ अर्जित किया।

#### शाखा विस्तार:

बैंक ने 12 विस्तार काउण्टर के उन्नयन सहित 25 नयी शाखाएं खोली हैं। इसके अतिरिक्त 14 नये विस्तार काउण्टर खोले गये। बैंक ने वर्ष के दौरान 1 शाखा को क्लस्टर शाखा के रूप में परिवर्तित किया। इस तरह मार्च, 1999 के अंत तक बैंक की 1006 स्वयंपूर्ण शाखाएं, 87 विस्तार काउण्टर तथा 38 क्लस्टर शाखाएं हैं जो कुल मिलाकर 1131 हैं। यह 17 राज्यों में और 2 संघ शासित प्रदेशों में स्थित हैं। 1006 स्वयंपूर्ण शाखाओं में 382 ग्रामीण क्षेत्रों में, 281 अर्ध शहरी क्षेत्रों में, 222 शहरी क्षेत्रों में और शेष 121 शाखाएं महा नगरीय क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कुल मिलाकर बैंक के 27 नियंत्रक कार्यालय, 8 सेवा केन्द्र, 13 मुद्रा तिजोरियां और 6 क्षेत्रीय निरीक्षणालय हैं।

#### विशिष्ट शाखाएं:

बाजारोन्मुख व्यापारी दृष्टिकोण के अनुरूप बैंक ने 2 विशिष्ट लघु उद्योग शाखाएं और 1 हाईटेक शाखा (केवल साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के वित्त पोषण हेतु) हमने खोली हैं। इनके साथ 31.3.99 को बैंक की विशिष्ट शाखाएं 20 हो गईं जिनमें से 11 लघु उद्योग शाखाएं, 6 कृषि वित्त शाखाएं, 1 औद्योगिक वित्त, 1 ऑटो टेक्नोलॉजी और 1 हाईटेक (साफ्टवेयर) शाखाएं कार्यरत हैं।



श्री जे.ए. चौधरी, मानद सलाहकार, साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क, ए. पी., हमारी हाईटेक सिटी शाखा, मादापुर, हैदराबाद का उद्घाटन करते हुए।

Sri J.A. Chowdhary, Honorary Advisor, Software Technology Park, A.P., is seen inaugurating our Hitec City Branch at Madhapur, Hyderabad.

#### प्रदत्त पूंजी:

भारत सरकार द्वारा रु. 243.37 करोड़ का समायोजन करने की अनुमति देने के कारण बैंक की प्रदत्त पूंजी मार्च 1999 के अंत तक रु. 347.95 करोड़ रही जब कि 31.3.98 को यह रु. 591.32 करोड़ थी।

#### पूंजी के प्रति जोखिम आस्ति अनुपात:

मार्च 1999 के अंत तक बैंक की पूंजी के प्रति जोखिम आस्ति अनुपात निर्धारण 8 प्रतिशत मानदण्ड तथा पिछले वर्ष के 12.37 प्रतिशत की तुलना में 11.02 प्रतिशत रहा। ऋण संविभाग में पर्याप्त वृद्धि और तदनु रूप जोखिम भारित आस्तियों में वृद्धि के कारण इस अनुपात में सीमांत कमी आयी है।

#### जमा राशियां:

बैंक ने रु. 10,000 करोड़ के निर्धारित जमा लक्ष्य को पार किया है। पिछले वर्ष के रु. 7920.73 करोड़ की तुलना में मार्च 99 अंत तक जमा राशियां रु. 10,438.74 करोड़ तक बढ़ गयीं

8. The network of branches crossed 1,000 with the total number of branches standing at 1,006 as at the end of March 1999.
9. 'Investments' of the Bank reached Rs.4,979.68 crores. The Bank is one of the few Banks to 'mark to market' 100% of its investments in approved securities as against RBI stipulation of 70% for the year 1998-99.
10. The Bank is one of the first Nationalised Banks to provide on-line ATM facility in Twin Cities of Hyderabad and Secunderabad, Andhra Pradesh.
11. Six more "B" Category branches in foreign exchange business were connected to SWIFT, taking the total number of such branches to 16.
12. The Bank achieved Year 2000 (Y2K) readiness as per Terminal Compliance guidelines issued by RBI.
13. Exclusive "Senior Citizens' Counters" have been introduced at 75 branches to cater to the needs of senior citizens of the society.

#### OPERATIONS OF THE BANK

##### Working Results :

The working results of the Bank for the year ended March 1999 were quite encouraging. The total earnings of the Bank were Rs.1199.99 crores and the total expenditure was

Rs.1109.95 crores. The Bank posted an operating profit of Rs.156.52 crores while the Net Profit was Rs.90.04 crores.

##### Branch Expansion :

The Bank has added 25 new branches including upgradation of 12 extension counters, apart from opening 14 new extension counters. The Bank has converted one branch into a cluster branch during the year.

Thus, as at the end of March 1999, the Bank had 1006 full fledged branches, 87 extension counters and 38 cluster branches totalling to 1131 offices spread over 17 States and 2 Union Territories.

Out of 1006 full fledged branches, 382 are operating in Rural, 281 in Semi-Urban, 222 in Urban areas and the remaining 121 branches are operating in Metropolitan areas.

In all, the Bank has 27 Controlling Offices, 8 Service Centres, 13 Currency Chests and 6 Regional Inspectorates.

##### Specialised branches:

In tune with the market segmented business approach, the Bank has opened two Specialised SSI branches and one Hi-tech branch (exclusively to finance Software Technology). With these, the total number of Specialised branches have gone up to 20 as on 31.3.1999, of which, 11 are SSI branches, 6 Agricultural branches, 1 Industrial Finance branch, 1 Auto-tech and a Hi-tech branch (Software).

##### Paid Up Capital :

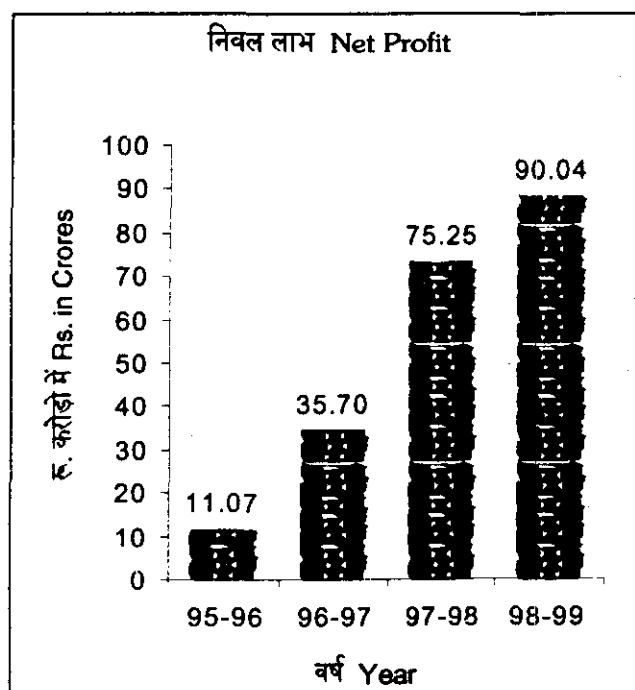
The Paid Up Capital of the Bank is Rs.347.95 crores as at the end of March 1999, compared to Rs.591.32 crores as on 31.3.1998, on account of setting off accumulated losses of Rs.243.37 crores, as permitted by Government of India.

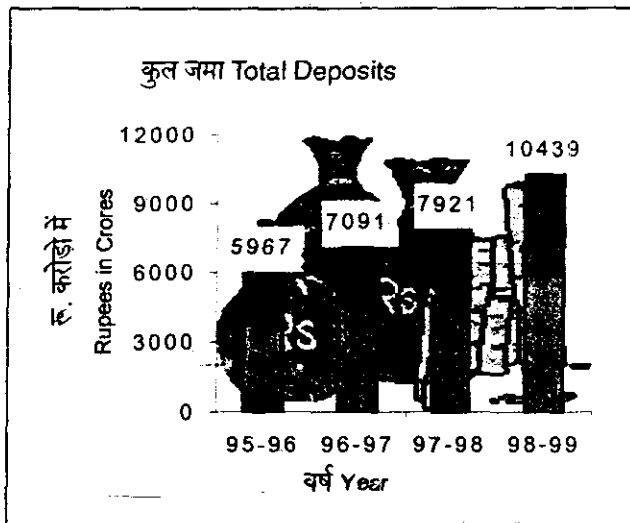
##### Capital To Risk Assets Ratio:

As at the end of March 1999, the Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) of the Bank was 11.02% against the prescribed norm of 8% compared to 12.37% of the previous year. The marginal decline in the ratio is due to the substantial increase in credit portfolio and consequent increase in Risk Weighted Assets.

##### Deposits :

The Bank has surpassed the milestone of Rs.10,000 crore mark in Total Deposits. Deposits increased from Rs.7,920.73 crores in the previous year to Rs.10,438.74 Crores as at the end of March 1999, registering a growth of Rs.2,518.01 crores.





है। इस प्रकार रु. 2,518.01 करोड़ की वृद्धि दर्ज की।

कुल रु. 10,324.20 करोड़ जमा राशियों में ग्रामीण शाखाओं द्वारा रु. 1136.85 करोड़ (11.01 प्रतिशत), अर्ध शहरी शाखाओं द्वारा रु. 2325.83 करोड़ (22.53 प्रतिशत), शहरी शाखाओं द्वारा रु. 2988.34 करोड़ (28.95 प्रतिशत) और शेष रु. 3873.18 करोड़ (37.51 प्रतिशत) महा नगरीय शाखाओं द्वारा जमा राशियां संग्रहीत की गई।

31.3.99 को कुल जमा राशियों में चालू जमा राशियां रु. 917.12 करोड़ (8.79 प्रतिशत) है, बचत जमा राशियां रु. 2259.03 करोड़ (21.64 प्रतिशत) और सावधि जमा राशि रु. 7262.59 करोड़ (69.57 प्रतिशत) हैं।

आन्ध्रा बैंक द्वारा शुरू की गयी बीमा सुविधा सहित अनोखी बचत बैंक योजनाएं - अभया बचत बैंक और अभया गोल्ड बचत बैंक, वर्ष में अधिक लोक प्रिय रहीं।

वर्ष 1998-99 के दौरान शुरू की गयी 2 नई योजनाएं यानी, “अभया प्लैटिनम बचत बैंक” और “प्लैटिनम चालू जमा खाता” जमाकर्ताओं को रु. 5 लाख तक दुर्घटना बीमा सुविधा प्रदान करती हैं।

राज कोषीय प्रबन्धन:

राजकोषीय परिचालनों के विवेकपूर्ण प्रबन्धन पर हमारा बैंक अधिक महत्व दे रहा है। 31.3.98 के रु. 3988.54 करोड़ के स्तर की तुलना में मार्च, 1999 के अंत तक बैंक के निवेश रु. 4979.68 करोड़ तक बढ़ गये। कुल निवेशों में सरकारी प्रतिभूतियां रु. 3297.70 करोड़ रहे जो 66.22 प्रतिशत है। वर्ष 1998-99 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 70 प्रतिशत मानदण्ड के विरुद्ध हमारे बैंक ने शत प्रतिशत अनुमोदित “चालू निवेशों” को बाजार मूल्य के आधार पर आंका है।

जोखिम प्रबन्धन:

आस्ति देयता प्रबन्धन प्रणाली के कार्यान्वयन के पर्यवेक्षण हेतु बैंक ने कार्यपालकों की आंतरिक समिति और “निदेशक मण्डल की आस्ति देयता प्रबन्धन समिति” गठित की।

आस्ति देयता प्रबन्धन प्रणाली को कार्यान्वित करने और प्रबन्धन सूचना प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिये हमारे बैंक कदम उठा रहे हैं। बैंक की तरलता, व्याज दर संवेदनशीलता और विदेशी मुद्रा जोखिमों के माप, निगरानी तथा प्रबन्धन के लिये यह आवश्यक है। इस प्रकार आस्ति देयता प्रबन्धन प्रणाली के प्रचालन के लिये बैंक तैयार है।

ऋण विनियोजन:

गुणात्मक वित्त पोषण तथा अग्रिमों पर अर्जन में सुधार लाने और विवेकपूर्ण मानदंडों के प्रावधानों के अंतर्गत आस्तियों को विस्तारित करने के लक्ष्यों से मार्गदर्शित होते हुए बैंक ने अपने ऋण संविभाग में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शायी है।

पिछले वर्ष के रु. 3361.79 करोड़ स्तर की तुलना में 31.3.99 को बैंक के निवल अग्रिम रु. 4523.93 करोड़ तक बढ़ गये जो 34.57 प्रतिशत वृद्धि दर दर्शाते हैं। बैंक के सकल बैंक ऋण रु. 3505.35 करोड़ से मार्च '99 के अंत तक रु. 4816.80 करोड़ तक बढ़ गये हैं जो 37.41 प्रतिशत वृद्धि दर दर्शाते हैं।

रु. 4816.80 करोड़ के सकल बैंक ऋण में ग्रामीण क्षेत्रों में बकाया अग्रिम 900.65 करोड़ (18.70 प्रतिशत) अर्धशहरी क्षेत्र में रु. 897.93 करोड़ (18.64 प्रतिशत) शहरी क्षेत्र के 1190.48 करोड़ (24.72 प्रतिशत) और महा नगरीय क्षेत्रों के रु. 1827.74 करोड़ (37.94 प्रतिशत) है।

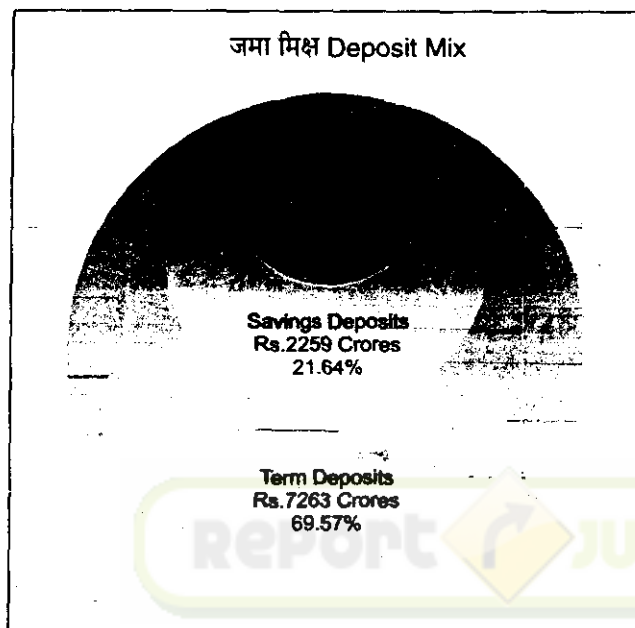
मार्च 99 के अंतिम शुक्रवार को रु. 4566.55 करोड़ के सकल बैंक ऋण में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को रु. 1874.08 करोड़, मध्यम व बृहत उद्योगों को रु. 1132.49 करोड़, थोक व्यापार को रु. 73.26 करोड़, निर्यात ऋण को रु. 348.12 करोड़ और अन्य क्षेत्रों को 1275.56 करोड़ के ऋण दिये गये। मार्च, 99 के अंतिम शुक्रवार को सकल बैंक ऋण के साक्ष्य वा खाद्येतर ऋण क्रमशः रु. 262.40 करोड़ एवं रु. 4304.15 करोड़ रहे।

बैंक का ऋण जमा अनुपात जो मार्च 98 के अन्तिम शुक्रवार को 44.78 प्रतिशत रहा, 45.83 प्रतिशत तक बढ़ गया। ग्रामीण क्षेत्र में ऋण जमा अनुपात 31 मार्च 1999 को 79.22 प्रतिशत रहा।

सूचना प्रौद्योगिकी और साफ्टवेयर उद्योगों को वित्त पोषण:

देश की अर्थ व्यवस्था में साफ्टवेयर उद्योग ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया। अर्थ व्यवस्था के इस क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने

Out of the Aggregate Deposits of Rs. 10,324.20 crores, the deposits mobilised by the Rural branches were Rs. 1,136.85 crores (11.01%), Semi Urban branches Rs. 2,325.83 crores (22.53%), Urban branches Rs. 2,988.34 crores (28.95%) and the remaining Rs. 3,873.18 crores (37.51%) were mobilised by the Metropolitan branches.



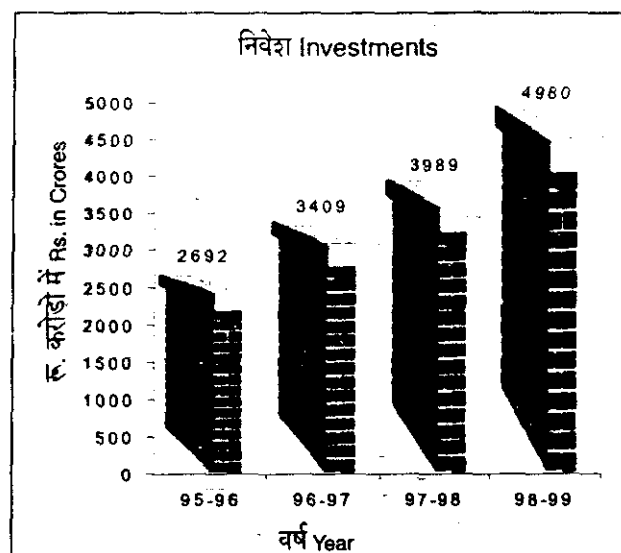
Of the Total Deposits, Current Deposits accounted for Rs. 917.12 crores (8.79%), Savings Deposits Rs. 2,259.03 crores (21.64%) and the Term Deposits Rs. 7,262.59 crores (69.57%) as on 31.3.1999.

The unique insurance linked Savings Bank Schemes viz. Abhaya Savings Bank and Abhaya Gold Savings Bank introduced by the Bank earlier have gained popularity.

The two new deposit schemes which the Bank introduced during 1998-99, namely, "Abhaya Platinum Savings Bank" and "Platinum Current Deposit" are providing enhanced accidental insurance cover to the extent of Rs. 5 lakhs to the depositors.

#### Treasury Management :

The Bank is according importance for the prudent management of its treasury operations. The investments of the Bank have gone up to Rs. 4,979.68 crores as at the end of March 1999 from the level of Rs. 3,988.54 crores as on 31.3.1998. Of the total investments, Government securities were Rs. 3,297.70 crores constituting 66.22%. The Bank has 'marked to market' 100% of approved "Current Investments", against 70% norm prescribed by RBI for 1998-99.



#### Risk Management :

The Bank has set up "Internal Committee of Executives" and "Asset Liability Management Committee of the Board" to oversee the implementation of ALM system.

The Bank is also taking steps for implementation of the ALM System and strengthening the Management Information System which is required for the purpose of measuring, monitoring and managing the Liquidity, Interest Rate Sensitivity and Foreign Exchange risks of the Bank. Thus, the Bank is all set to operationalise the ALM system.

#### Credit Deployment :

Guided by the objectives of improving quality credit as well as yield on advances and expanding assets within the provisions of prudential norms, the Bank has shown significant growth in its Credit Portfolio.

The total Net Advances of the Bank increased to Rs. 4,523.93 crores as on 31.3.1999, from the level of Rs. 3,361.79 crores in the previous year registering a growth of 34.57%. The Gross Bank Credit of the Bank increased from Rs. 3,505.35 crores to Rs. 4,816.80 crores as at the end of March 1999 showing a growth of 37.41%.

Of the Gross Bank Credit of Rs. 4,816.80 crores, the advances outstanding in Rural areas were Rs. 900.65 crores (18.70%), Semi Urban Rs. 897.93 crores (18.64%), Urban Rs. 1,190.48 crores (24.72%) and Metropolitan areas Rs. 1,827.74 crores (37.94%).

हेतु साफ्टवेयर उद्योग के वित्त पोषण के लिए बैंक ने ऋण नीति बनायी तथा साफ्टवेयर सेवाओं (मानव शक्ति निर्यात) और देशी और विदेशी परियोजना सेवाओं के वित्त पोषण हेतु महत्वपूर्ण शाखाओं की पहचान की गयी।

रस्त्री चक्र योजना :

दुपहिये वाहन खरीदने हेतु कामकाजी महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से चयनित नगरों में शुरू की गयी इस योजना को बैंक सभी शाखाओं में तथा गैर कामकाजी महिलाओं के लिए भी विस्तारित की गयी। इस योजना के अंतर्गत चार पहिये वाली मोटर गाड़ियों पर भी विचार किया जाता है।

प्राथमिकता क्षेत्रों को ऋण:

बैंक प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों को बहुत महत्व देते हुए विभिन्न लक्षित समुदायों को यथा समय और पर्याप्त ऋण सहायता उपलब्ध करा रहा है। मार्च 1998 के अंतिम शुक्रवार को रु. 1397.04 करोड़ की तुलना में बाकी अग्रिमों का स्तर मार्च 1999 के अंतिम शुक्रवार को रु. 1874.08 करोड़ तक बढ़ गये।

समायोजित निवल बैंक ऋण की प्रतिशतता के रूप में कुल अग्रिमों में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के अग्रिमों का प्रतिशत 43.84 है। जबकि निर्धारित लक्ष्य 40 प्रतिशत है।

कृषि ऋण:

बैंक की स्थापना से लेकर आज तक बैंक के प्रवर्तक डॉ. भोगराज पट्टाभि सीतारामय्या के आदर्शों के अनुसरण में हमारा बैंक कृषि तथा सम्बन्धित क्षेत्रों के अग्रिमों को अति महत्व दे रहा है और इस दिशा में अच्छा कार्य कर रहा है।



नर्सरी Nursery

मार्च 1998 के अंतिम शुक्रवार को रु. 618.02 करोड़ स्तर के कृषि क्षेत्र के अग्रिम मार्च 1999 के अंतिम शुक्रवार को रु. 785.73 करोड़ तक पहुंच गये। कृषि को प्रत्यक्ष ऋण रु. 681.29 करोड़ और अप्रत्यक्ष ऋण रु. 104.44 करोड़ रहे।

समायोजित निवल बैंक की प्रतिशतता के रूप में कुल अग्रिमों में कृषि ऋणों का प्रतिशत 18.38 प्रतिशत है जबकि निर्धारित लक्ष्य 18 प्रतिशत है।



मधुमक्खी पालन Bee-keeping

पिछली प्रवृत्ति को जारी रखते हुए बैंक ने विशिष्ट कृषि ऋण योजना (एस ए सी पी) के अंतर्गत रु. 542.08 करोड़ रुपये वितरित किये जबकि लक्ष्य रु. 505 करोड़ था।

क. सूर्य शक्ति योजना:

गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, नई दिल्ली के सहयोग से बैंक ने सौर ताप उपकरणों और कुकरों के वित्त पोषण हेतु "सूर्य शक्ति योजना" प्रारंभ की ताकि अपार / अनंतिम सौर ऊर्जा का उपयोग हो। सौर ताप उपकरणों की वित्त पोषण योजना महानगरीय / शहरी क्षेत्रों में परिचालित है जब कि सोलार कुकरों की वित्त पोषण योजना बैंक के सभी अग्रणी जिलों में प्रचलित है।



कीर्तिचक्र श्री स्वर्ण सिंह बोपाराय, तत्कालीन सचिव, गैर परंपरागत उर्जा स्रोत मंत्रालय, भारत सरकार ने 1 अगस्त, 1998 को सूर्यशक्ति का शुभारंभ किया। हमारे तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री टी.जे.ए. गनिगा एवं श्री ए. कृष्ण मूर्ति, महा प्रबंधक भी चित्र में परिलक्षित हैं।

Kirti Chakra Sri Swaran Singh Boparai, the then Secretary, Ministry of Non-Conventional Energy Sources, Govt. of India launched "Surya Sakthi" scheme on 1st August, 98. The then CMD, Sri T.J.A. Ganiga, Sri A. Krishna Moorthy, GM are also seen.



Of the total Gross Bank Credit of Rs. 4,566.55 crores as on the last Friday of March 1999, the flow of credit to Priority Sectors was Rs. 1,874.08 crores, Medium and Large Scale Industries - Rs. 1,132.49 crores, Wholesale Trade - Rs. 73.26 crores, Export Credit - Rs. 348.12 crores and 'Other Sectors' were Rs. 1,275.56 crores. Of the total Gross Bank Credit, the Food and Non-Food Credit accounted for Rs. 262.40 crores and Rs. 4304.15 crores respectively as on the last Friday of March 1999.

The Credit-Deposit ratio of the Bank which stood at 44.78% as on the last Friday of March 1998 has gone up to 45.83%. The Bank's C/D ratio in Rural areas stood at 79.22% as on 31st March 1999.

Financing Information Technology and Software Industry:

The Software Industry has assumed significant role in our country's economy. To take care of the needs of this vital sector of the economy, the Bank has come out with a lending policy for financing Software Industry and important branches have been identified to take up financing under Software Services (Manpower exports) and Project Services, both domestic and abroad.

Stree Chakra scheme:

The Stree Chakra scheme which was launched earlier by the Bank at selected cities to provide financial assistance to working women for purchase of two wheelers has been extended to all the branches of the Bank and also to non-working women. Purchase of four wheelers is also brought under the purview of the scheme.

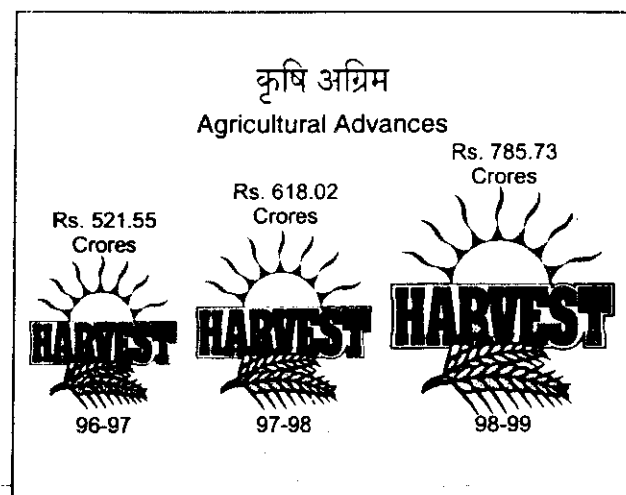
Advances to Priority Sector :

The Bank has been treating "Priority Sector Advances" as one of the thrust areas and has been extending timely and adequate credit assistance to various target groups. The outstanding advances reached the level of Rs. 1,874.08 crores as on the last Friday of March 1999 compared to Rs. 1397.04 crores as on the last Friday of March 1998.

As against the stipulated norm of 40%, the Bank has achieved 43.84% of its advances to Priority Sectors as a percentage of Adjusted Net Bank Credit.

Agricultural Advances :

Since the inception of the Bank, in tune with the great ideals of the Bank's founder Dr. Bhogaraju Pattabhi Sitaramayya, the Bank has been considering advances to Agriculture and allied activities as vital and has been doing its best.



The advances to Agricultural Sector went up to Rs. 785.73 crores as on the last Friday of March 1999 from the level of Rs. 618.02 crores as on the last Friday of March 1998. Of the total, direct finance to Agriculture accounted for Rs. 681.29 crores and the indirect finance accounted for Rs. 104.44 crores.

The agricultural advance as a percentage to Adjusted Net Bank Credit reached the level of 18.38%, as against the stipulated norm of 18%.



लघु सिंचाई Minor Irrigation

Continuing the past trend, under Special Agricultural Credit Plan (SACP), the Bank disbursed Rs. 542.08 crores against the target of Rs. 505 crores.

In association with the Ministry of Non Conventional Energy Sources (MNES), New Delhi, the Bank launched the 'Surya Sakthi scheme' to finance Solar heating systems and Cookers, utilising the abundant/inexhaustible solar energy.